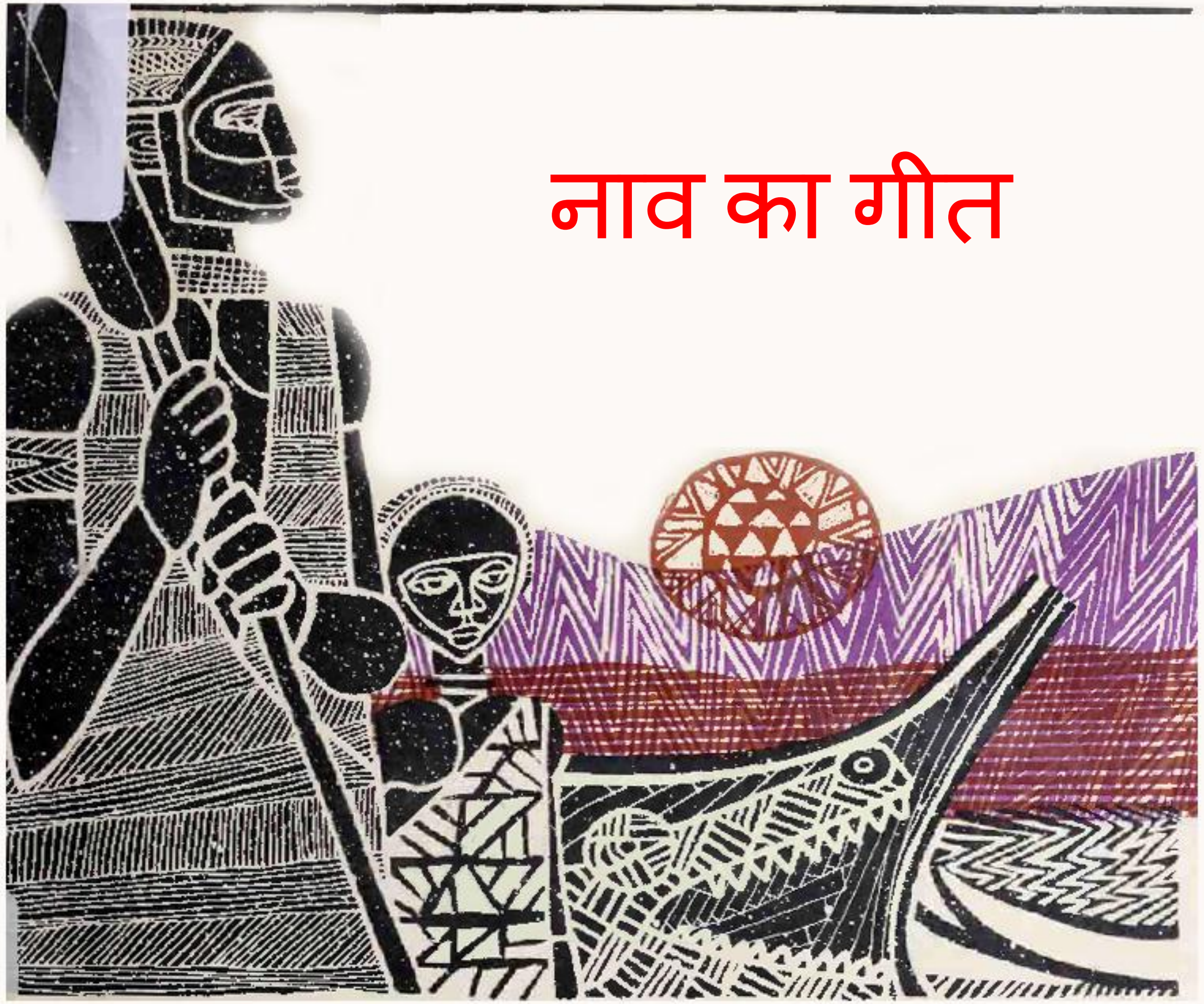
नाव का गीत



बोंग-टाउन में, जहां मोमोलू पानी के पास रहता था, वहां हर आदमी की अपनी एक नाव थी, जो एक पेड़ के तने से खुदी हुई डोंगी थी. लेकिन एक मगरमच्छ के साथ लड़ाई में मोमोलू के पिता फ्लुम्बो ने अपनी डोंगी खो दी. फिर फ्लुम्बो उस विशेष पेड़ को खोजने के लिए बाहर जाता है, जो उसकी नई डोंगी के लिए बिल्कुल उपयुक्त होगा. भले ही खोज लंबी हो, लेकिन उसका छोटा बेटा मोमोलू उसके साथ जाता है. मोमोलू ने कहा, "जैसे हाथी एक बड़ी पहाड़ी को पार करता है; बकरी भी उसी तरह उस पहाड़ी को पार करती है."
मोमोलू अपने प्यारे पिता की "खोज" में कैसे मदद करता है, इसकी मार्मिक कहानी अफ्रीकी गांव के जीवन और सदियों पुरानी परंपराओं की प्रामाणिक छवियों से समृद्ध है.
अफ्रीका में कई जनजातियाँ हैं. प्रत्येक जनजाति के लोग अपनी-अपनी भाषा बोलते हैं.
पश्चिम अफ्रीका में भाषा मैन-दीन-गो या क्रु या योरूबा या टैबू हो सकती है.
लेकिन वहां बहुत से लोगों ने अंग्रेजी बोलनी सीख ली है. जो लोग स्कूल गए, वे बहुत से शब्द जानते हैं और ग्रामर के नियमों का सख्त पालन करते हैं. अन्य लोग सरल अंग्रेजी बोलते हैं. वे अंग्रेजी में ज्वलंत कविता और मजबूत लय लाते हैं.

यह एक अफ्रीकी ग्रामीण, फ्लुम्बो नाम के आदमी की कहानी है, जिसने एक मगरमच्छ के साथ लड़ाई में अपनी नाव खो दी है, और उसके बेटे मोमोलू की, जिसने पिता को एक नई नाव दिलाने में मदद की.

नाव का गीत







फ्लुम्बो बोंग-टाउन में पैदल चलता है.
वो हरेक मिलने वाले का अभिवादन करता है,
लेकिन उसका दिल शांत नहीं है, क्योंकि उसके पास नाव नहीं है.
मगरमच्छ ने उसे डोंगी तोड़ जो दी थी.
सभी लोग फ्लुम्बो को जानते हैं और वे उसे चाहते हैं.
फ्लुम्बो बहुत ताकतवर है. अन्य पुरुषों की तुलना में वो कहीं ज़्यादा मजबूत है.
वह शक्तिशाली है और दिल का नेक है.
इसलिए लोग उसे बहुत पसंद करते हैं.



जब फ्लुम्बो पानी के पास जाता है,
तो बहुत से लोग उससे कहते हैं,
“अरे, इस बार तुम्हारे पास डोंगी नहीं है;
आओ, अब तुम मेरी डोंगी में चलो;
मेरी डोंगी को तुम अपनी ही डोंगी समझो.”

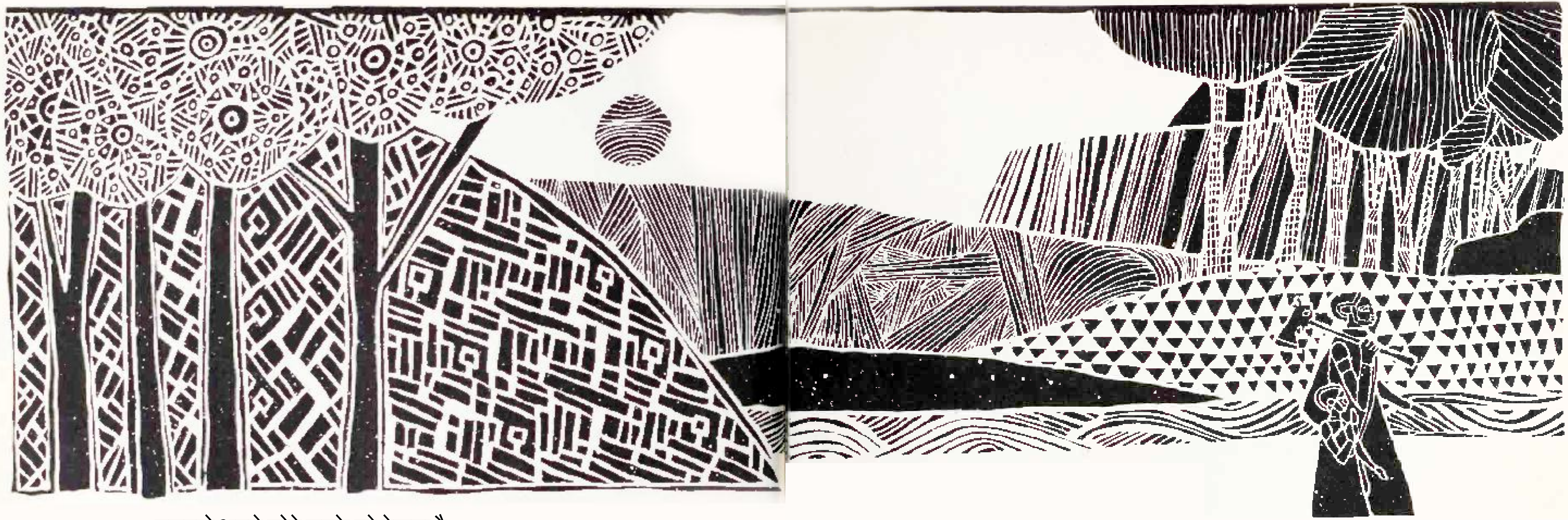


फ्लुम्बो "नहीं!" कहता है, और फिर हंसता है.
फ्लुम्बो कहता है, "अगर फ्लुम्बो दूसरे आदमी की डोंगी चलाएगा,
तो मगरमच्छ उस डोंगी को भी तोड़ देगा,
उसी तरह से जैसे मगरमच्छ ने मेरी डोंगी तोड़ी थी."
फिर फ्लुम्बो ज़ोर से हँसता है.
लेकिन फ्लुम्बो का दिल तब उदास होता है.



फिर एक सुबह फ्लुम्बो सुबह जल्दी उठकर कहता है,
"अब मैं अपने डोंगी को खोजने जाऊँगा."
वो अपनी तलवार उठाता है, वो अपनी कुल्हाड़ी उठाता है.
उसकी पत्नी, पोर्टी, साफ कपड़े में एक चॉप (मांस) का टुकड़ा रखती है,
उसका छोटा लड़का मोमोलू, चॉप उठाकर साथ चलता है.





फ्लुम्बो अपने छोटे लड़के को देखता है.
वो कहता है, "मैं जिस डगर पर चलूँगा वो बहुत लंबी होगी.
मेरे छोटे लड़के के पैर चलते-चलते थक जाएंगे."
मोमोलू ऊपर देखता है और कहता है,
“हाथी एक बड़ी पहाड़ी को पार करता है;
बकरी भी उसी तरह बड़ी पहाड़ी को पार करेगी.”

और फिर दोनों चलते हैं.
फ्लुम्बो आगे-आगे, मोमोलू उसके पीछे-पीछे,
दोनों नदी के किनारे-किनारे चलते हैं,
जल्द ही वे एक नदी को छोड़ कर
दूसरी नदी के किनारे पर पहुँचते हैं.



फ्लुम्बो को काले गोंद के पेड़ दिखते हैं,

वो उसे अच्छे लगते हैं.

कुछ पेड़ बहुत बड़े हैं.

कुछ पेड़ बहुत छोटे हैं.

कुछ पेड़ सीधे नहीं हैं.

कुछ पेड़ साफ नहीं हैं.

उसे कोई भी पेड़ डोंगी के लिए ठीक नहीं लगता है.



चलते-चलते मोमोलू थक जाता है

लेकिन वो एक शब्द भी नहीं कहता है

धीरे-धीरे सूरज सर के ऊपर पहुँच जाता है

और फिर मोमोलू को भूख लगती है.



तब मोमोलू कहता है, ''अब पेट, पैरों को सहारा नहीं दे रहा है,
पैर कहते हैं 'रुको'. पेट कहता है, 'खाना खाओ'.
पापा आप क्या कहते हैं? ”
फ्लुम्बो कहता है, "तुम्हारा पेट समझदार है."
फिर दोनों एक छोटी नदी के पास बैठ जाते हैं.
दोनों एक-एक चॉप खाते हैं.
दोनों उबला हुआ कसावा (कंद) खाते हैं
साथ में मूमफली और मीठे संतरे भी.
दोनों आराम करते हैं. दोनों थक गए हैं. दोनों सो जाते हैं.





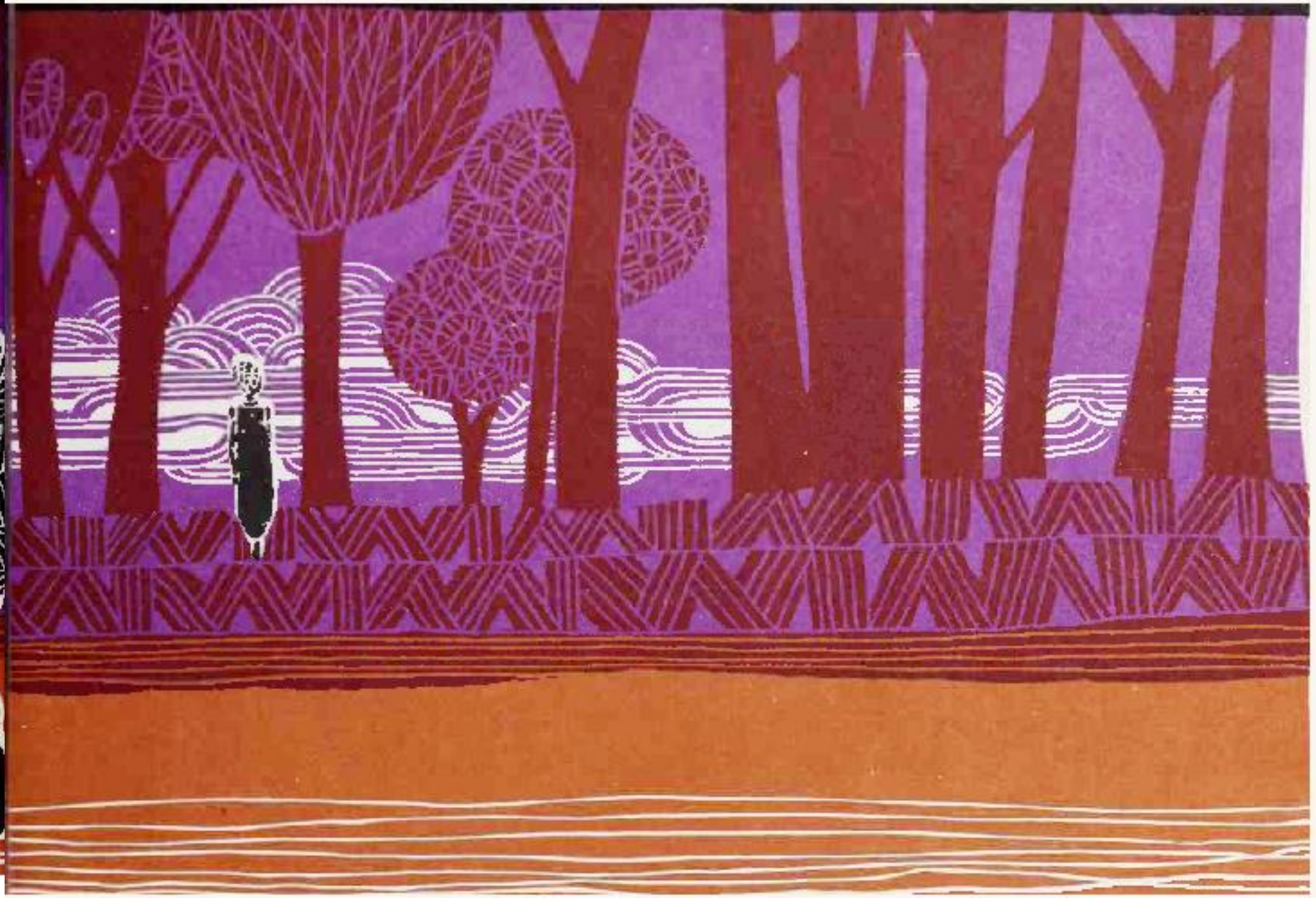
मोमोलू ने किसी को उसका नाम पुकारते हुए सुना:

"मोमोलू! मोमोलू!"

मोमोलू ने पूछा, "मोमोलू को कौन बुला रहा है?"

मोमोलू ने फिर सुना.

"मोमोलू! मोमोलू हमारे साथ आओ."

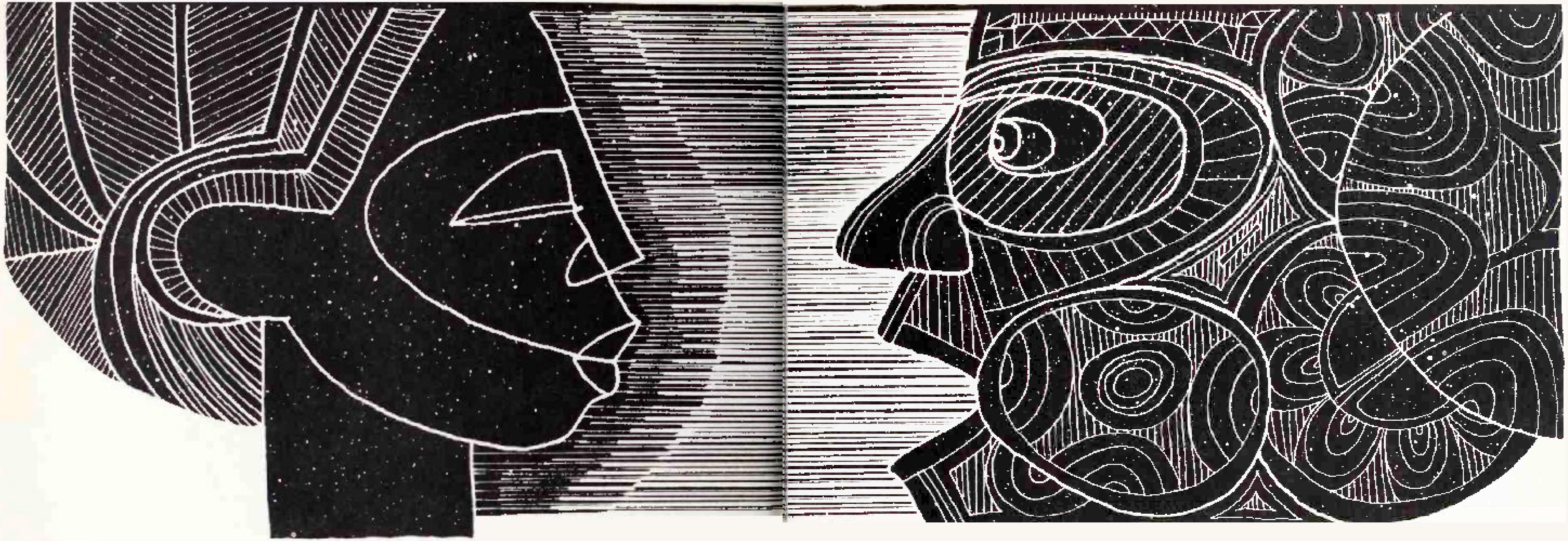


मोमोलू उठकर चला.

मोमोलू को यह पता नहीं था कि वो किस तरफ जा रहा था.

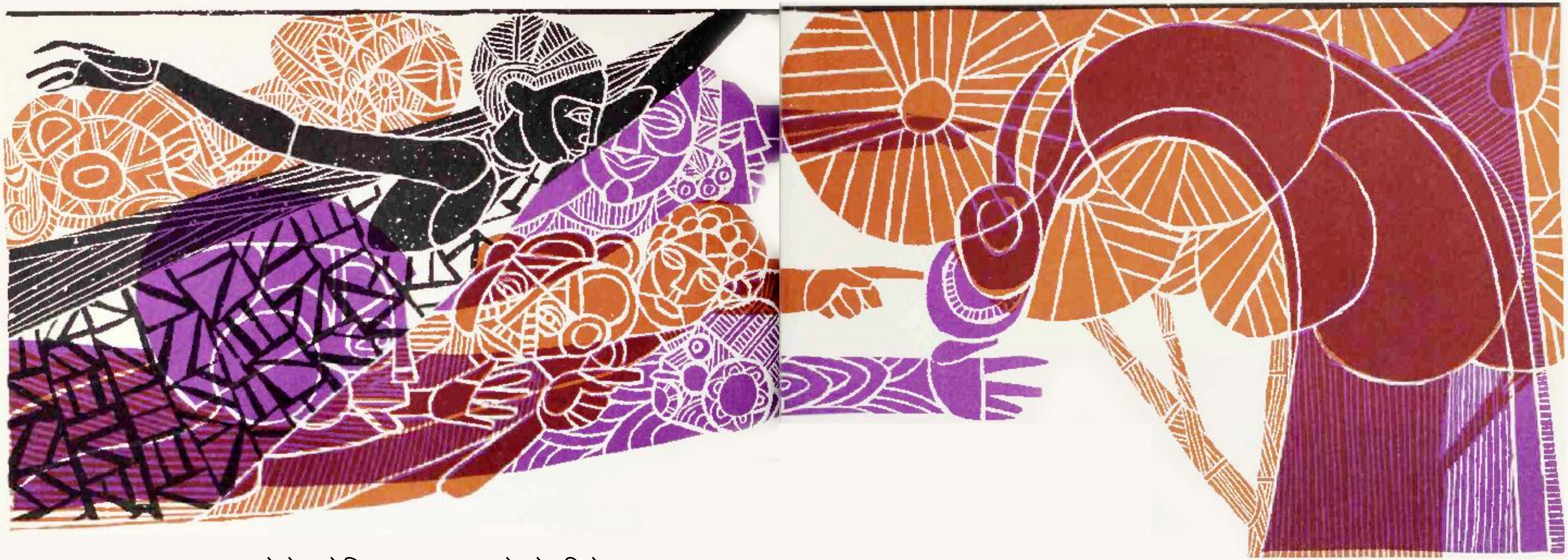
मोमोलू किस स्थान पर जा रहा था यह भी उसे नहीं पता था.

मोमोलू बस चलता रहा.



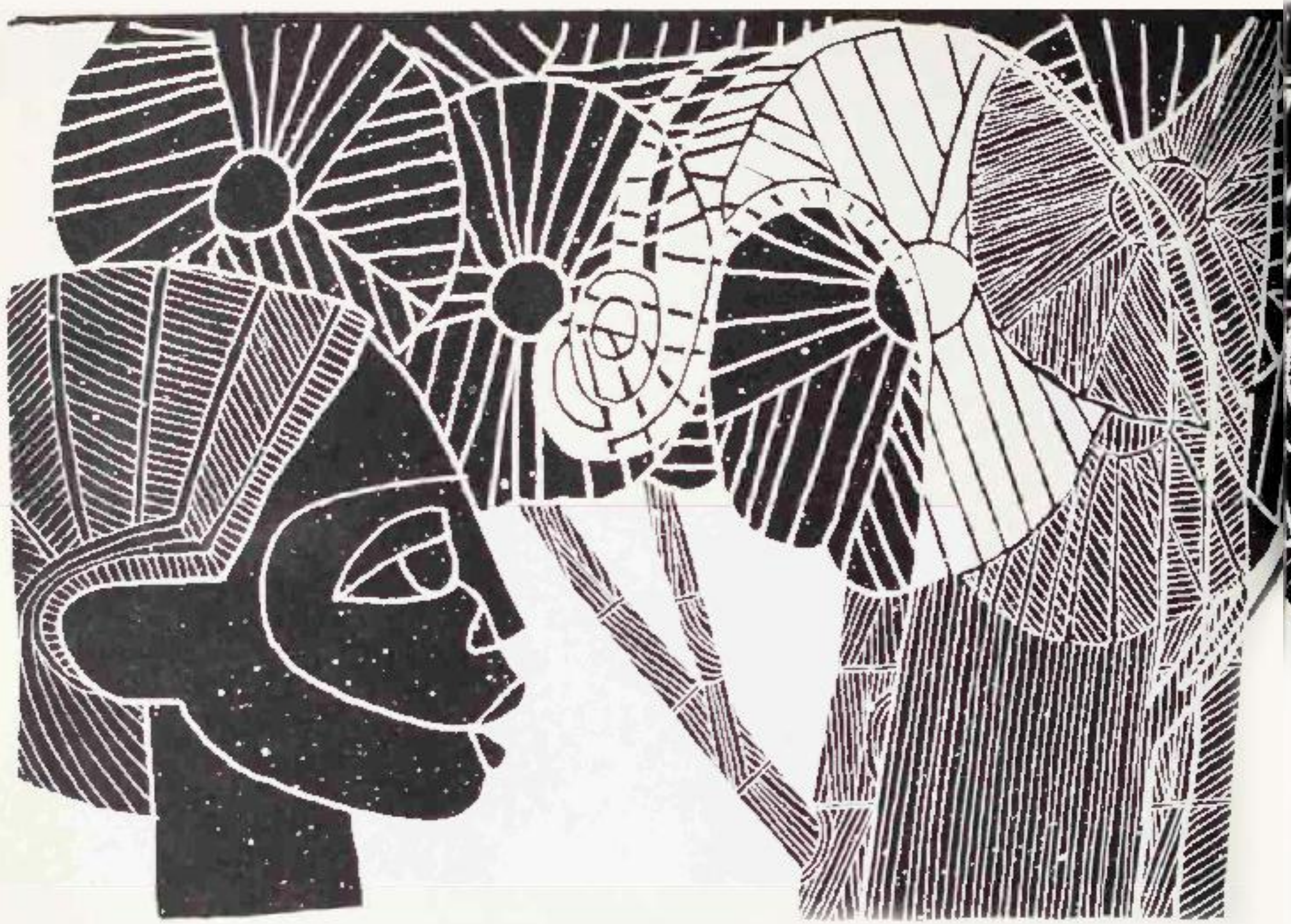
मोमोलू ने लोगों को हंसते हुए सुना.
उसने उन्हें यह कहते हुए सुना,
"देखो वो मोमोलू है! हमारा दिल खुश है
क्योंकि हमारा अच्छा दोस्त आया है."

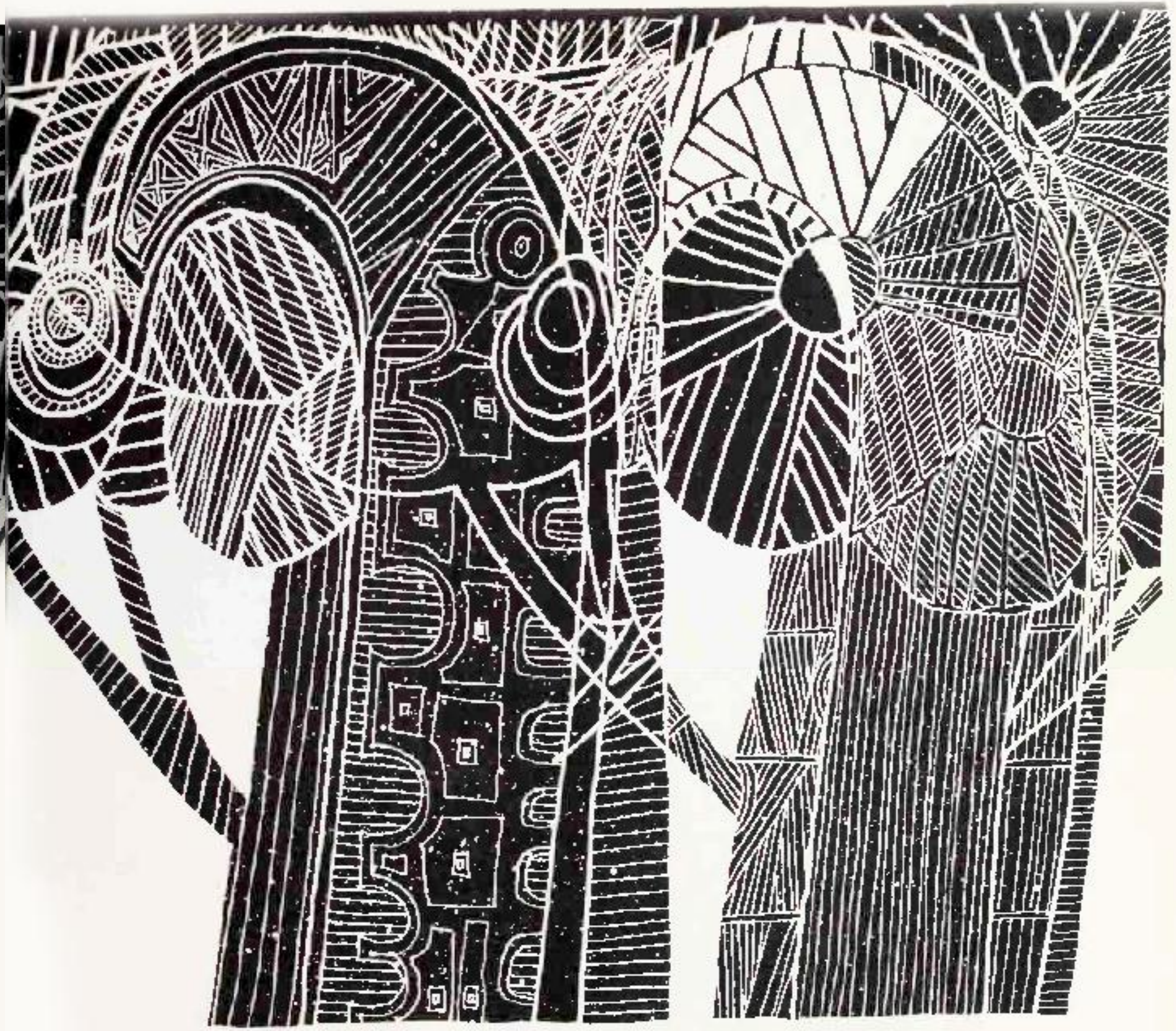
मोमोलू ने फिर कहा "मुझे आपकी आवाज़ सुनाई दे रही है
लेकिन मुझे आपका चेहरा नहीं दिख रहा है.
आप कहाँ पर रहते हैं? "
उन लोगों ने कहा, "ज़रा, अपनी आँखें खोलो."
तब मोमोलू ने अपनी आँखें खोलीं और फिर मोमोलू ने देखा.



तब मोमोलू को बिल्कुल अलग तरह के लोग दिखे.
वे अन्य सभी लोगों से ज़्यादा खुश लग रहे थे.
उनकी बातें किसी गीत की तरह लगती थीं.
वे हवा में धीरे-धीरे चलते थे,
और वे थकते नहीं थे.

उन लोगों ने कहा, "चलो, हम तुम्हें दिखाएंगे. हमारे साथ आओ!"
मोमोलू उनके साथ, हवा में उसी रास्ते गया.
धीरे-धीरे लोगों ने कहा, "अब तुम्हें डोंगी दिखेगी!"
मोमोलू ने बेहतरीन पेड़ देखे. ऐसे पेड़ उसने पहले कभी नहीं देखे थे.





जब वो देख रहा होता है, तो पेड़ एक डोंगी बन जाता है.

जब वह कुछ और गौर से देखता है, तो डोंगी एक पेड़ बन जाती है.

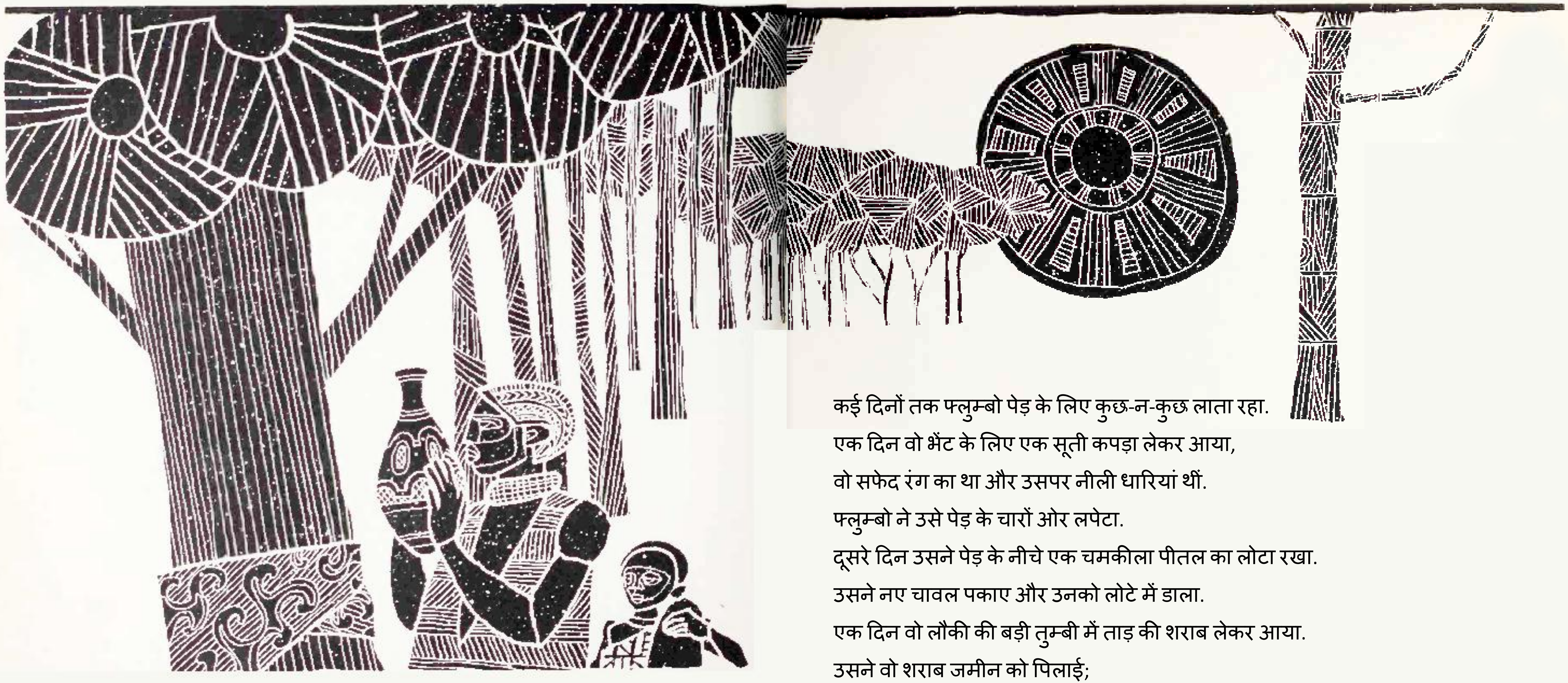
मोमोलू कहता है, "अब मुझे दिख रहा है!”



मोमोलू ने फ़्लम्बो को कहते हुए सुना, ''आओ, अब हम चलें!
मोमोलू ने कहा, "पापा रुको, मुझे आपकी डोंगी दिख रही है."
तब मोमोलू की नींद खुली. अब वो खुश था.
उसे ख़ुशी थी कि उसने एक अच्छा सपना देखा था.
उसने पापा को सपने के बारे में बताया.
फ्लुम्बो ने कहा, "बेटा! आओ हम चलें!
अब मेरा छोटा लड़का मेरे आगे-आगे चलेगा,
और मैं उसके पीछे-पीछे चलूँगा.”



मोमोलू ने चलना शुरू किया.
वो कहाँ और किस दिशा में जा रहा था
उसका उसे कुछ पता नहीं था,
लेकिन वो उसी बेहतरीन पेड़ के सामने जाकर रुका.
फ्लुम्बो ने भी कहा, "मुझे अपनी डोंगी दिख रही है!
वो इस पेड़ के अंदर रहती है.”



कई दिनों तक फ्लुम्बो पेड़ के लिए कुछ-न-कुछ लाता रहा.

एक दिन वो भेंट के लिए एक सूती कपड़ा लेकर आया,

वो सफेद रंग का था और उसपर नीली धारियां थीं.

फ्लुम्बो ने उसे पेड़ के चारों ओर लपेटा.

दूसरे दिन उसने पेड़ के नीचे एक चमकीला पीतल का लोटा रखा.

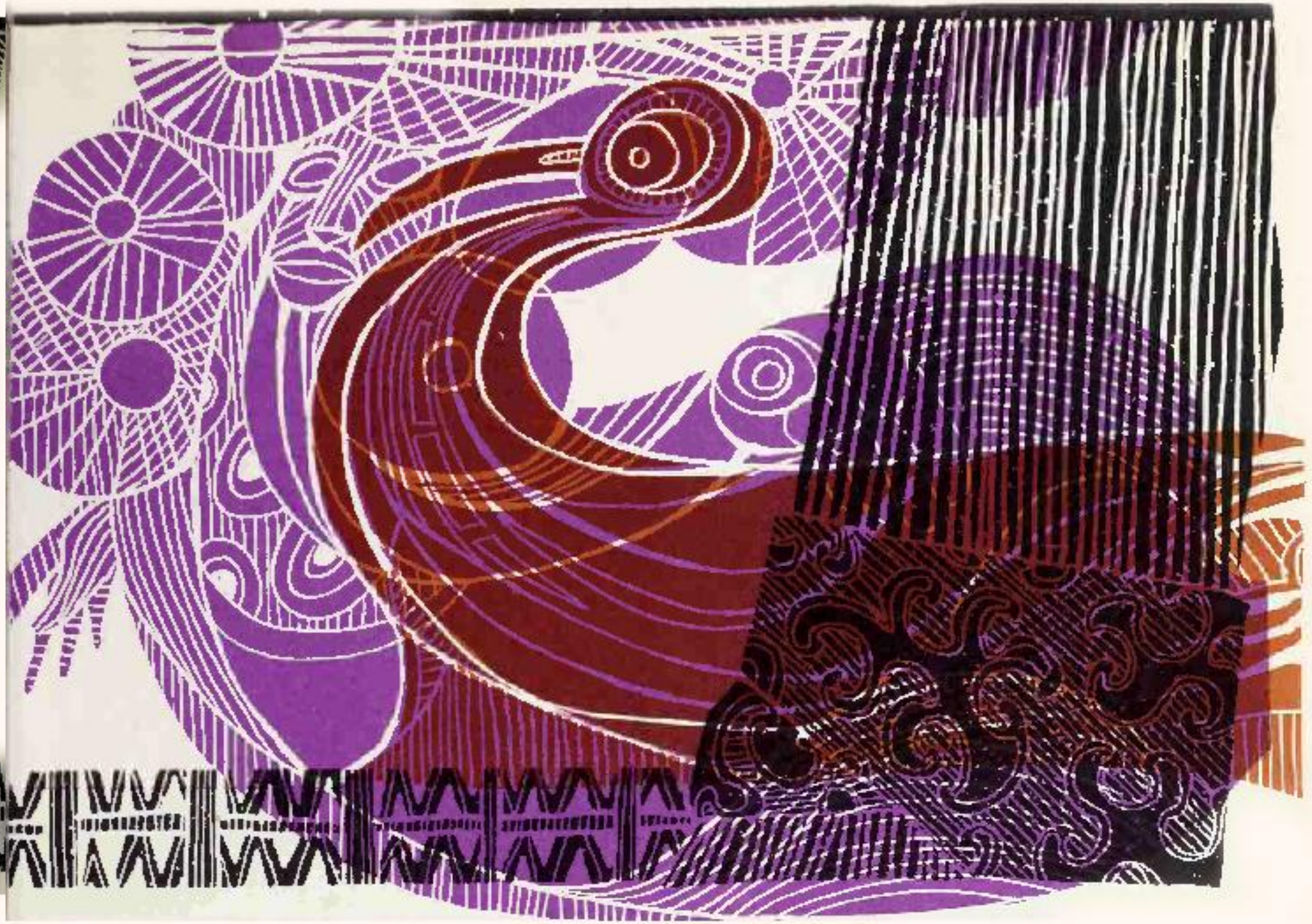
उसने नए चावल पकाए और उनको लोटे में डाला.

एक दिन वो लौकी की बड़ी तुम्बी में ताड़ की शराब लेकर आया.

उसने वो शराब जमीन को पिलाई;

गोंद के पेड़ के नीचे उसने सारी शराब उंडेल दी.





फिर एक दिन
पुजारी बोम्बोको, आया
उसके साथ- साथ शहर के सारे लोग भी आए.
ढोलचियों ने अपने ढोल पीटे.

फिर बोम्कोको ने पेड़ की आत्मा को बुलाया.
लोगों ने गीत गाये और नाचे.
और फिर धीरे-धीरे पेड़ की आत्मा ने कहा,
"वो डोंगी फ्लुम्बो के लिए है."



फ्लुंबो कई दिनों तक लगातार आता रहा.

उसने काटा. उसने काटा. उसने काटा.

और फिर धीरे-धीरे पेड़ नीचे गिरा.

कुछ दिनों बाद फ्लुम्बो ने फिर पेड़ की शाखों को काटा.

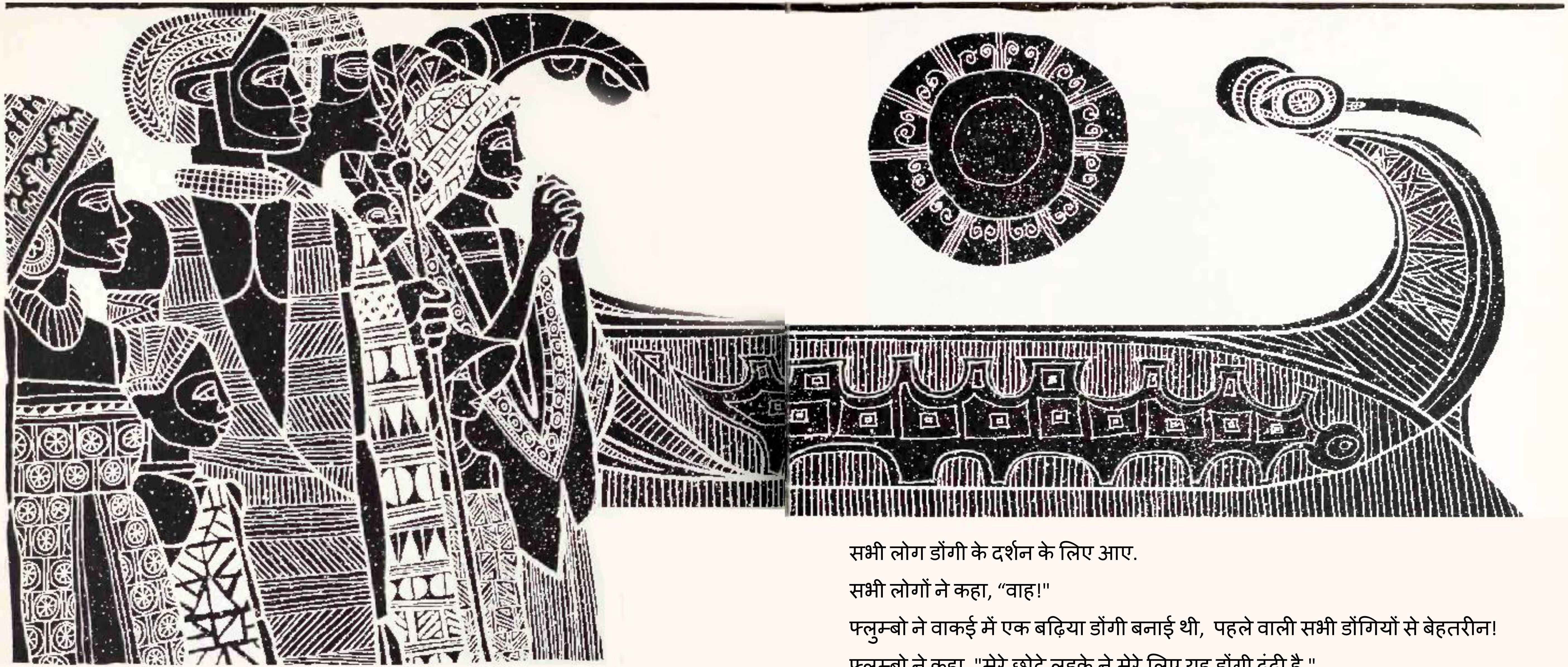
उसने काटा. उसने काटा.

धीरे-धीरे सिर्फ पेड़ का तना ही बचा.






बहुत दिनों तक फ्लुम्बो तने को तराशता रहा.
उसने उसे आकार दिया, अगला हिस्सा नुकीला बनाया,
अंदर से पेंदा गोलाकार बनाया,
बैठने के लिए एक सीट बनाई, फिर डोंगी को अच्छी तरह से रगड़ा.
अंत में डोंगी बनकर तैयार हुई.



सभी लोग डोंगी के दर्शन के लिए आए.

सभी लोगों ने कहा, “वाह!"

फ्लुम्बो ने वाकई में एक बढ़िया डोंगी बनाई थी, पहले वाली सभी डोंगियों से बेहतरीन!

फ्लुम्बो ने कहा, "मेरे छोटे लड़के ने मेरे लिए यह डोंगी ढूंढी है."

लेकिन किसी को भी फ्लुम्बो की बात समझ में नहीं आई.



अब वे डोंगी में सवारी के लिए जाते हैं.

फ्लुम्बो पीछे बैठता है, और वो चप्पू चलाता है.

मोमोलू सामने बैठकर अपना ढोल बजाता है और गीत गाता है.

पोर्टी बीच में बैठती है, अब पोर्टी बेहद खुश है.

वह खुश है क्योंकि उसके मर्द ने नई डोंगी बनाई थी.

वो इसलिए भी खुश है, क्योंकि उसके छोटे लड़के ने एक नया गीत रचा था.

नाव का गीत सुनो. वह गीत सुनो जो मोमोलू ने गाया :

"फ्लुम्बो ने एक अच्छी डोंगी बनाई,

फ्लुम्बो ने एक अच्छी डोंगी बनाई,

फ्लुम्बो ने एक अच्छी डोंगी बनाई,

और पानी को भी उसमें मज़ा आ रहा है."



समाप्त

